Literacy for a Billion

Movie: Mehbooba
Year: 1976

Song: Parbat Ke Peechhe
Lyricist: Anand Bakshi

परबत के पीछे चंबे दा गाँव
परबत के पीछे चंबे दा गाँव
गाँव में दो प्रेमी रहते हैं

परबत के पीछे चंबे दा गाँव
गाँव में दो प्रेमी रहते हैं
ओ ...

हम तो नहीं वो
दीवाना जिनको
दीवाने लोग कहते हैं
ओ ...
गाँव में दो प्रेमी रहते हैं

उनकी बातें सुनते हैं क्यों छुपकर
सब जाने
उनकी बातें सुनते हैं क्यों छुपकर
सब जाने
क्या क्या बातें करते रहते हैं वो
अब जाने
उन दोनों को नींद नहीं आती क्यों
रब जाने
तारों के साथ वो
जगते हैं रात को
झरनों के साथ बहते हैं

परबत के पीछे चंबे दा गाँव
गाँव में दो प्रेमी रहते हैं

मिलेंगे या बिछड़ेंगे
हाय राम क्या होगा
मिलेंगे या बिछड़ेंगे
हाय राम क्या होगा
ना जाने उन दोनों का
अंजाम क्या होगा
मुफ़्त में हो जाएँगे वो
बदनाम क्या होगा
घर से निकल के
रस्ते पे चल के
ताने हज़ार सहते हैं

हम तो नहीं वो
दीवाना जिनको
दीवाने लोग कहते हैं
ओ ...
गाँव में दो प्रेमी रहते हैं

हूँ ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.